Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to develop Guru Gobind Singh Tourist Circuit in Ambala Parliamentary Constituency, Haryana.

श्री रत्न लाल कटारिया (अम्बाला) : हाल ही में भारत में विश्व में बलिदान व अदम्य साहस के प्रतीक गुरू गोविंद सिंह का 350वां प्रकाश उत्सव बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया है। मेरे लोक सभा क्षेत्र अम्बाला के यमुनानगर जिले में भी हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में गुरू गोविंद सिंह का प्रकाश उत्सव राज्य स्तर पर बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

मैं आदरणीय पर्यटन मंत्री का ध्यान अपने लोक सभा क्षेत्र अम्बाला में सिख इतिहास से जुड़े कुछ अनछुंए पहलुओं की ओर दिलाना चाहता है। मेरे लोक सभा क्षेत्र में लखनौर साहब है, जहां पर गुरू गोविंद सिंह जी की माता गुजरी देवी रहने वाली थी। अम्बाला शहर में ऐतिहासिक गुरूद्वारा बादशाही है जहां पर गुरू गोविंद सिंह ने कहा था- 'चिड़ियों से मैं बाज लड़ाऊं, तां गुरू गोविंद सिंह नाम कहाऊं' ऐतिहासिक गुरूद्वारा पजोखरा साहिब है जहां पर गुरू गोविंद सिंह ने एक गूंगे व्यक्ति के सर पर हाथ रखा तो वाद-विवाद में उसने प्रतिष्ठित विद्वानों के छक्के छुड़ा दिए। इसी तरह से पंचकुला में नाड्डा साहब का ऐतिहासिक गुरूद्वारा है। यमुनागनर जिला में कपालमोचन बिलासपुर में ऐतिहासिक गुरूद्वारा है जो कि मोक्ष दिलाने की दृष्टि से बहुत ऐतिहासिक है जहां हर वर्ष बहुत बड़ा मेला लगता है और कई लाख यात्री आते हैं। इसी तरह से लोहगढ़ गुरूद्वारा है जो गुरू गोविंद सिंह के पांच प्यारों में से बन्दा बहादुर की राजधानी थी। हरियाणा के आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने भी लोहगढ़ गुरूद्वारा के महत्व को समझते हुए उस स्थान की यात्रा की थी। इसी तरह से आदरणीय मुख्यमंत्री जी पंचकुला के नाड्डा साहब ऐतिहासिक गुरूद्वारे में भी गये थे। हरियाणा सरकार भी पर्यटन की दृष्टि से इन स्थानों को महत्व दे रही है। इसीलिए उपरोक्त स्थानों के महत्व को ध्यान में रखते हुए मैं पर्यटन मंत्री जी से मांग करता हॅं कि जिस तरह से आपने देश के विभिन्न क्षेत्रों में ऐतिहासिक दृष्टि से पर्यटन सर्किट बनाये हैं उसी कड़ी में कुरूक्षेत्र जिला के कृष्णा सर्किट की तर्ज पर अम्बाला लोक सभा में गुरू गोविंद सिंह सर्किट बनाया जाए ताकि इन ऐतिहासिक स्थलों का विकास हो सके और पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं मिलें।